प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – दसवीं

सेट–सी

समय– 3 घंटे　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　　पूर्णांक– 100

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1.　उचित शब्दों का चयन कर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. ....के आगमन से धरती हरियाली से भर जाती है।

(वर्षा / धूप)

2. आदमी की पीर की तुलना कवि ने ....की है।

(खंडहर और जंगली फलों से / नदियों से)

3. ....स्वभाव से साधु होते है।

(हल चलाने वाले / फल खाने वाले)

4. ....दीर्घ जीवन का मुख्य सूत्र है।

(मुस्कुराना / रोना)

5. ....सूर्य का पर्यायवाची है।

(दिनकर / शशि)

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए :–

1. नदी की धार से कवि का क्या आशय है?
2. मीरा के प्रभु कौन है?
3. लेखक किन लोगों को मुबारकबाद देना चाहता था?
4. 'आदि' शब्द का विलोम लिखिये।
5. अरविन्द का जन्म कब और कहां हुआ?

प्रश्न 3. निम्नलिखित वाक्यों में से सत्य / असत्य का चयन कीजिए –

1. शबरी ने राम और लक्ष्मण को खाने के लिये मीठे बेर दिये।
2. महाकवि माघ को अपनी विद्वता का अभिमान था।
3. 'राम रोज स्कूल जाता है' सरल वाक्य है।
4. 'अनूत्तीर्ण' शब्द शुद्ध लिखा गया है।
5. ईद का चांद होना का अर्थ है रोज मिलना।

प्रश्न 4. स्तभ 'क' से 'ख' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	ख
(1)	तुलसीदास	–	राम और लक्ष्मण
(2)	शबरी की कुटिया में	–	अपकार

(3)	उपकार	–	विनय के पद
(4)	भारत का उत्तरी छोर	–	कहानी
(5)	गद्य की विद्या	–	हिमालय

प्रश्न 5. निम्नलिखित वाक्यों के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए –

(1) विश्वगुरू की उपाधि से विभूषित किया गया है –

(अ) जापान को (ब) अमेरिका को

(स) भारत को (द) चीन को

(2) कवयित्री अन्धेरे से छीन लाई है –

(अ) आशा की किरण (ब) विश्वास

(स) सूर्य (द) चन्द्रमा

(3) धर्म का मथा हुआ सार है –

(अ) स्वयं को ऊंचा उठाने में (ब) दूसरों को ऊंचा उठाने में

(स) दूसरों को गिराने में (द) स्वयं को गिराने में।

(4) सम्राट अशोक प्राप्त करना चाहते थे –

(अ) सोना–चांदी (ब) कपड़े

(स) कलिंग का राज सिंहासन (द) बहुत सी जमीन

(5) दिक्+अम्बर में संधि है –

(अ) स्वर संधि (ब) विसर्ग संधि

(स) व्यंजन संधि (द) दीर्घ संधि

प्रश्न 6. संस्कृति से लेखक का क्या आशय है?

अथवा

अमिता के किस उत्तर ने अशोक का ह्रदय परिवर्तन कर दिया?

प्रश्न 7. किसान को ब्रह्मा के सामन क्यों माना गया है?

अथवा

सुबह जल्दी उठने से क्या लाभ होता है?

प्रश्न 8. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाओं के नाम लिखिए।

अथवा

कहानी किसे कहते है? किसी एक कहानी और उसके कहानीकार का नाम लिखिए।

प्रश्न 9. नाटक एवं एकांकी में कोई दो अंतर लिखिए।

अथवा

रेखाचित्र किसे कहते है? किसी एक रेखाचित्र एवं उसके रेखाचित्रकार का नाम लिखिए।

प्रश्न 10. तत्सम शब्द किसे कहते है? उदाहरण सहित लिखिए।

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पृथ्वी, वायु, चन्द्रमा

प्रश्न 11. रचना के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते है?

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। कोई दो।

ज्ञानी, दुर्लभ उत्थान, सक्षम, एक

प्रश्न 12. निम्नलिखित वाक्यांशों के लिये एक शब्द लिखिए।

1. बहुत बोलने वाला।
2. जिसका पार न हो।
3. आने वाला समय।
4. पति–पत्नि का जोड़ा।

अथवा

निम्नलिखित गद्यांश में उचित विराम चिन्ह लगाइये –

लहनासिंह ने कटोरा उसके मुंह में लगाकर पूछा कहा कैसे हो पानी पीकर बोधा बोला कंपकपी छूट रही है दांत बज रहे है।

प्रश्न 13. निम्नलिखित वाक्यों को उनके सामने दिये गये निर्देशानुसार परिवर्तित कर लिखिए। कोई–2

1. राम तुम स्कूल जाओ। (नकारात्मक)
2. पार्थ खेल रहा है। (प्रश्नवाचक)
3. बुरे आदमी चोरी करते है। (मिश्रित वाक्य)

अथवा

निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। कोई–2

1. वह रोगी बीमार है।
2. श्रीराम के अनेकों नाम है।
3. गुफा में बड़ा अंधेरा है।

प्रश्न 14. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए। कोई–2

1. हाथ पीले करना।
2. आकाश पाताल एक करना।

3. घी के दिये जलाना।

अथवा

मुहावरे एवं लोकोक्ति में अंतर स्पष्ट कीजिए। कोई–2

प्रश्न 15. निम्नलिखित तत्सम शब्दों को तद्भव शब्दों में परिवर्तित कर लिखिये –
अंगुष्ठ, अक्षि, अग्र, कंटक।

अथवा

निम्नलिखित देशज शब्दों को आगत या विदेशी शब्दों में परिवर्तित कर लिखिये।
झोला, कतरनी, वैद्य, फटफटिया।

प्रश्न 16. मीरा ने 'रामरतन धन' को अमोलक क्यों कहा है?

अथवा

कर्मवीर मनुष्य की विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 17. कवि ने 'भारत को संसार का शिरोमणि' क्यों कहा है?

अथवा

वर्षा के आगमन पर धरती में क्या–क्या परिवर्तन होता है?

प्रश्न 18. कवि चारो दिशाओं में जलन क्यों अनुभव करता है?

अथवा

'शब्द समूह खो गया है' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 19. द्विवेदी जी ने अपने लिये कौन से चार सिद्धांत निश्चित किये। वे उनका पालन करने में कहां तक सफल हुए?

अथवा

संयुक्त परिवार का प्रतीक 'सूखी डाली' एकांकी में किसे बताया है? उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 20. कश्मीर के बारे में पौराणिक और ऐतिहासिक बाते कही गई है। उल्लेख कर लिखिए।

अथवा

धन और जीवन को क्षण भंगुर कहा गया है क्यों?

प्रश्न 21. प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'सादा जीवन उच्च विचार' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 22. 'एक चिंगारी कहीं से ढूंढ लाओ दोस्तों' इस पंक्ति से कवि का क्या आशय है?

अथवा

वर्तमान स्थिति में मानव संबंध के बारे में कवि के विचार स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 23. विद्वता की शोभा अहंकार नहीं विनम्रता है। इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अरविन्द दिव्य संस्कारों के धनी थे। स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ–प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

जाके प्रिय न राम बैदेही।
तजिये ताहि कोटि बैरी सम, जदपि परम सनेही
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषण बंधु भरत महतारी
बलि गुरू तज्यो कंत ब्रज वनिता, भए मुद मंगलकारी।

अथवा

इस नदी की धार में ठंडी हवा आती तो है,
नाव जर्जर ही सही, लहरों से टकराती तो है।
एक चिनगारी कहीं से ढूंढ़ लाओ दोस्तों,
इस दिए में तेल से भीगी हुई बाती तो है।।

प्रश्न 25. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सृष्टि में सूर्य, चन्द्रमा, तारे, ऋतु, प्रातः संध्या आदि को नियमित रूप से आते जाते देखकर स्पष्ट हो जाता है कि सृष्टि के मूल में एक सुनियोजित व्यवस्था कार्य कर रही है। ये सभी तत्व अनुशासन में बंध कर चलते है। यही कारण है कि उनके कार्यकलापों में किंचित मात्र भी अंतर नहीं हो पाता है। यह प्रकृति ही हमें अनुशासन सिखाती है। अनुशासन बंधन नहीं है। समय स्थान व परिस्थितियों के अनुरूप सामान्य नियम का पालन ही अनुशासन है।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश लिखिए।
प्रश्न 3. प्रकृति हमें क्या सिखाती है?

प्रश्न 26. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

<u>चारू चंद्र की चंचल किरणें,</u>
<u>खेल रही है जल थल में।</u>
स्वच्छ चांदनी बिछी हुई है,
अवनि और अंबर तल में।

प्रश्न 1. प्रस्तुत पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।
प्रश्न 2. रेखांकित पंक्तियों का अर्थ लिखिए।
प्रश्न 3. स्वच्छ चांदनी कहां बिछी है?

प्रश्न 27. अपने मित्र को अपने बड़े भाई के विवाह में निमंत्रित करते हुए एक पत्र लिखिए।

अथवा

छात्रावास में अच्छा भोजन न मिलने की जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य को शिकायती पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. कम्प्यूटर आज की आवश्यकता
2. प्रदूषण की समस्या
3. आतंकवाद एक ज्वलंत समस्या
4. मेरी मनोरम यात्रा
5. बेटियां : हमारे आंगन की शोभा
6. शाला का वार्षिकोत्सव
7. यदि मैं प्रधानमंत्री होता

(ब) उपरोक्त विषयों में से किसी एक विषय की रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

<u>आदर्श उत्तर</u>

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – दसवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. वर्षा
2. खंडहर और जंगली फूलों से
3. हल चलाने वाले
4. मुस्कुराना
5. दिनकर

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. एक वाक्य में उत्तर –

1. नदी की धार से कवि का आशय निरंतर चलने वाला जीवन है
2. मीरा के प्रभु श्रीकृष्ण है
3. लेखक जो समय का सदुपयोग करते है उन्हें मुबारकबाद देना चाहता है।
4. आदि शब्द का विलोम अन्त है।
5. अरविन्द का जन्म 15 अगस्त 1872 ई. में कलकत्ता में हुआ था

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन –

(1) सत्य।

(2) सत्य।

(3) सत्य।

(4) असत्य।

(5) असत्य।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सही जोडियां बनाना –

	क	–	ख
(1)	तुलसीदास	–	विनय के पद
(2)	शबरी की कुटिया में	–	राम और लक्ष्मण
(3)	उपकार	–	अपकार
(4)	भारत का उत्तरी छोर	–	हिमालय
(5)	गद्य की विद्या	–	कहानी

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. सही विकल्प का चयन –

1. भारत को
2. आशा की किरण
3. स्वयं का ऊंचा उठाने में
4. कलिंग का राज सिंहासन
5. व्यंजन संधि।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. हमारी संस्कृति ही हमारे जीवन का ढंग है। मनुष्य के भूत, वर्तमान और भावी जीवन की संपूर्णता का आधार ही संस्कृति है। लेखक ने संस्कृति को मनुष्य का मन, प्राण और शरीर निरूपित किया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सम्राट अशोक ने कहा कि महारानी अपने बंदी अशोक को आदेश दे। तब अमिता ने उत्साह से उत्तर दिया– ''हमारा आदेश है किसी से छीनों मत। किसी को डराओं मत। किसी को मारो मत। अमिता के इसी उत्तर ने अशोक का ह्रदय परिवर्तित कर दिया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. ब्रह्मा यदि मानव की सृष्टि करता है तो किसान भी अन्न पैदा करता है। किसान अन्न में, फूल में, फल में आहुति हुआ सा दिखई देता है। ब्रम्हाहुति से जगत हुआ है। इसलिए किसान को ब्रह्मा के समान माना गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सुबह जल्दी उठने से सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि हम पर्याप्त समय बचा सकते हैं। हमारा वक्त जाया नहीं होगा। समय का भरपूर उपयोग कर सकते है। हम दिनभर स्फूर्ति का अनुभव भी कर सकते हैं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएं हैं–

1. निबंध
2. कहानी
3. उपन्यास
4. नाटक
5. एकांकी
6. आलोचना
7. जीवनी

8. आत्मकथा

9. रिर्पोताज

10. डायरी

11. पत्र साहित्य आदि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कहानी में मानव जीवन के किसी एक पक्ष का चित्रण होता है।

मुंशी प्रेमचन्द– कहानी ऐसी रचना है जिसमुं जीवन के किसी अंक या मनोभाव को प्रदर्शित करना लेखक का उद्‌देश्य होता है।

कहानी	**कहानीकार**
उसने कहा था	चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'
ईदगाह	प्रेमचंद

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. नाटक व एकांकी में अंतर –

क्र.	नाटक	एकांकी
1	इसमें कई अंक होते है।	इसमें एक अंक होता है।
2	इसमें पात्रों की संख्या अधिक होती है तथा संपूर्ण मानव जीवन का वर्णन होता है।	इसमें कम पात्रों के माध्यम से किसी एक घटना या कथा प्रस्तुत की जाती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रेखाचित्र किसी एक व्यक्ति, वस्तु अथवा घटना पर आधारित होता है। इसमें लेखक शब्दों द्वारा ऐसा कलात्मक वर्णन करते है कि आंखों के सामने चित्र सा उपस्थित हो जाता है तो उसे रेखाचित्र कहते है।

रेखाचित्र	**रेखाचित्रकार**
अतीत के चलचित्र	महादेवी वर्मा

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. जो शब्द अपरिवर्तित रूप में संस्कृत से लिये गये है अथवा संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो बिना परिवर्तन के हिन्दी में प्रयुक्त हो रहे है। तत्सम शब्द कहलाते है। उदाहरण– चन्द्र, भूमि आदि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पृथ्वी – वसुंधरा, भूमि

वायु – समीर, हवा

चन्द्रमा – शशि, मंयक

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. रचना के आधार पर वाक्य तीन प्रकार के होते है।

1. सरल वाक्य
2. मिश्र वाक्य
3. संयुक्त वाक्य

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

ज्ञानी	–	अज्ञानी
दुर्लभ	–	सुलभ
उत्थान	–	पतन
सक्षम	–	अक्षम
एक	–	अनेक

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12.

1. वाचाल
2. अपार
3. भविष्य काल
4. दम्पत्ति

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लहना सिंह ने कटोरा उसके मुंह में लगाकर पूछा 'कहो कैसे हो?' पानी पीकर बोधा बोला– ''कंपकपी छूट रही है। दांत बज रहे है।''

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13.

1. राम तुम स्कूल मत जाओ।
2. क्या पार्थ खेल रहा है?
3. वे बुरे आदमी है जो चोरी करते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. वह बीमार है।
2. श्रीराम के अनेक नाम है।
3. गुफा में घना अंधेरा है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. मुहावरें –

1. विवाह करना।

   प्रयोग– पाण्डे जी ने सेवानिवृत्ति से पहले अपनी बेटी के हाथ पीले कर दिये।

2. कठिन परिश्रम करना।

   प्रयोग– दिनेश ने नौकरी पाने के लिये आकाश पाताल एक कर दिये।

3. बहुत खुशी मनाना।

   प्रयोग– रीता आई.ए.एस. में सफल हुई तो उसके घर में घी के दिये जलाये गये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरे व लोकोक्तिया में अंतर –

क्र.	**मुहावरे**	**लोकोक्तियां**
1	यह एक ऐसा वाक्यांश है जो अपने सामान्य अर्थ से भिन्न अर्थप्रकट करता है।	लोगों के द्वारा कहा गया कथन लोकोक्ति कहलाती है।
2	ये भाषा में श्रृंगार का कार्य करते है।	इनमें जीवन का गहरा अनुभव छिपा रहता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. तद्भव शब्द –

अंगुष्ठा	–	अंगूठा
अक्षि	–	आंख
अग्र	–	आगे
कंटक	–	कांटा

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

विदेशी शब्द –

झोला	–	बैग
कतरनी	–	कैंची
वैद्य	–	डॉक्टर
फटफटिया	–	मोटर–साईकिल, बाइक

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. मीरा ने 'राम रतन धन' को अमोलक इसलिए कहा है क्योंकि संसार में मिलने वाले जितने भी प्रकार के धन है उनसे भिन्न रामरतन धन है। सभी प्रकार के धन खर्च करने से घटते है। खो जाते है, चोरी भी कर लियेजाते है। लेकिन रामरतन धन खर्च करने से दिनों–दिन बढ़ता जाता है। चोर भी इसे नहीं चुरा सकता है, न ही यह कभी नष्ट होता है। इसलिए यह धन अमोलक है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कर्मवीर मनुष्य की विशेषताएं निम्नलिखित है –

1. संकट आने पर घबराता नहीं है।

2. कामचोरी नहीं करता।

3. निर्भीक होता है।

4. भाग्य के भरोसे नहीं होता।

5. कठिनाईयों में भी हंसता रहता है।

6. धीर, वीर और गंभीर होता है।

7. कठिन से कठिन कार्य तत्परता से करता है।

8. किसी भी कार्य को अधूरा नहीं छोड़ता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. कवि ने 'भारत को संसार का शिरोमणि' इसलिए कहा है क्योंकि भारत की भूमि में अपार धन है। विश्व के समस्त देशों को जागरण का संदेश दिया है। यह देश सदाचार नैतिक मूल्यों एवं आदर्शों की शिक्षा देता है। जिसके कारण विश्व गुरू की उपाधि से विभूषित हुआ है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वर्षा के आगमन पर गरमी से झुलसी हुई पृथ्वी हरी–भरी हो जाती है। नदी, तालाब, कुएं आदि पानी से भर जाते है। श्रावण मास में एक नये प्रकार का राग पशु, पक्षियों, जीव–जंतुओं से सुनने को मिलता हे। बाग–बगीचे फूलों एवं फलों से लद जाते है। मानव जीवन खुशहाल हो जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. आज का मानव समाज कुंठित एवं निष्क्रिय हो गया है। सदियों से चली आ रही परम्परा को लादे फिर रहा है। दूसरों की राह में कांटे बिछाना उसको अच्छा लगने लगा है। कोई नया विचार अपने मन में नहीं लाना चाहता है। ऐसे में

चारों तरफ ईर्ष्या–द्वेष और जलन के भाव पनप रहे है। इसलिए कवि चारों दिशाओं में जलन का अनुभव करता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवयित्री सक्सेना जी को ऐसा लगता है कि परदेश में उनके साथ बातचीत करने वाला कोई नहीं है। न उन्हें किसी से बात करने का अवसर मिलता है न ही कोई अन्य व्यक्ति उनसे बात करने के लिये उनके समीप आता है। ऐसा लगता है कि परदेश में 'शब्द समूह' पूरी तरह लुप्त हो गये है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. द्विवेदी जी ने अपने लिए चार सिद्धांत निश्चित किए –

1. वक्त की पाबंदी।
2. रिश्वत न लेना।
3. अपना काम ईमानदारी से करना।
4. ज्ञानवृद्धि के लिए सतत् प्रयत्न करना।

इनके पालन में वे सतत् प्रयासरत रहे और सफलता प्राप्त करने में कामयाब रहे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'सूखी डाली' एकांकी में संयुक्त परिवार का प्रतीक अश्रय वट वृक्ष को माना है। क्योंकि वट, वृक्ष की शाखाएं संयुक्त परिवार के सदस्य के रूप में होती है। उसकी प्रशाखाएं समस्त सदस्यों के छोटे बच्चे है। जिस प्रकार प्रशाखाएं क्रमशः बढ़ती, पल्लवित होकर शीतल छाया और सुगन्धित वायु प्रदान करती है उसी प्रकार संयुक्त परिवार में रहकर प्रत्येक सदस्य खुशी का अनुभव करता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. मन को मोहित करने वाले कश्मीर के शासकों की गाथाएं महाभारत काल से मिलती है। इतिहास प्रसिद्ध सम्राट अशोक ने कश्मीर में अनेक बौद्ध विहार तथा स्तूप बनवाये। श्री शंकराचार्य पहाड़ी का मठ बहुत पुराना है। यहां का मंदिर पाण्डव वंश के राजाओं का बनवाया हुआ है। सम्राट ललितादित्य का साम्राज्य बहुत ही समृद्धशाली था। वे साहित्य एवं कला के प्रेमी थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

धन और जीवन दोनों को क्षण भंगुर कहा गया है। ये दोनो किसी के पास स्थायी होकर नहीं रहते है। मनुष्य जन्म लेता है, मरता है, धन भी अर्जित किया जाता है, व्यय भी होता है। दोनों का जन्म–मरण शाश्वत सत्य है। इसलिए धन और जीवन को क्षण भंगुर कहा गया है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21 परमात्मा जगत की रचना करते है किंतु इसका पालन, विकास प्रकृति करती है। वह लगातार परोपकार में लगी रहती है। हवा, धूप, छाया, सर्दी, गर्मी सभी मानव का कल्याण करते है। हम प्रकृति को मान देंगे तो वह हमें सम्मान देगी, हमें सुख–शांति प्रदान करेगी। प्रकृति की पूजा ही देव पूजा है। अतः प्रकृति परमात्मा का ही एक रूप है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सादा जीवन उच्च विचार का आशय है जीवन में दिखावा न हो और विचार ऊंचे स्तर के हो। खान–पान, रहन–सहन, व्यवहार से साधारण जीवन जीते हुए श्रेष्ठ विचारों का पालन किया जाए। प्रदर्शन अहंकार से दूर रहकर जनहितकारी विचारों को जीवन में अपनाया जाये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. 'एक चिंगारी कहीं से ढूंढ लाओ दोस्तो' पंक्ति में कवि ने आशा और विश्वास का भाव व्यक्त किया है। कवि कहना चाहते है कि दीया है, बाती है, तेल है फिर भी प्रकाश क्यों नहीं है? इसका कारण है कि माचिस नही है अर्थात इस दीपक को जलाने वाला व्यक्ति नहीं है। माचिस मिल जाने पर दीपक प्रज्जवलित हो उठेगा। उसी प्रकार मानव के पास समस्त साधन तो है लेकिन चिंगारी या प्रेरणा देने वाला, आशा और विश्वास की ज्योति जलाने वाला कोई नहीं है। इस कारण समाज में अंधकार व्याप्त है। अतः आशा और उत्साह के साथ समाज के अंधकार को हटाना आवश्यक है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

वर्तमान स्थिति में मानव संबंध विघटन के कगार पर है। आज मानव–मानव के बीच परस्पर दूरियां बढ़ती जा रही है। आपसी मनमुटाव, तनाव, कलह, आम बात हो गई है। हर परिवार तथा समाज में नये–नये वर्ग बन रहे है। रिश्ते नातों में दरार आने से संयुक्त परिवार बिखरते जा रहे है। एकाकी जीवन को परम सुखी माना जाने लगा है। अतः इन्हे जोड़ने के लिये युवा शक्ति को आगे आना होगा।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. इस पंक्ति के माध्यम से यह स्पष्ट किया गया है कि अभिमान युक्त पाण्डित्य से कोई महान नहीं बनता है। महाकवि माघ को अपनी विद्वता पर गर्व था किंतु उनमें विनम्रता और शालीनता की कमी थी। इसलिए एक चरखा चलाने वाली वृद्धा के सामने उन्हें नतमस्तक होना पड़ा। उस वृद्धा ने उन्हें सीख दी कि विनयशीलता और शालीन आचरण से ही व्यक्ति की विशिष्ट पहचान होती है। विद्या तो विनयशीलता से ही सुशोभित होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अरविन्द के मुख पर दिव्य तेज था। वे साधनामय जीवन की ओर उन्मुख थे। एक बार नर्मदा के किनारे रंगनाथ में गंगामठ के स्वामी ब्रम्हानन्द का दर्शन करने गये। स्वामी जी का नियम था कि वे किसी की ओर देखते नहीं थे, पर जब अरविन्द इनके सामने आये तब स्वामी जी उन्हें एक टक देखते रह गये और बहुत देर तक देखते रहे। इससे स्पष्ट होता है कि अरविन्द दिव्य संस्कारों के धनी थे।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्य हमारी पाठय पुस्तक के विनय के पद से अवतरित किया गया है। इसके कवि गोस्वामी तुलसीदास जी है।

प्रसंग :– प्रस्तुत पंक्तियों में तुलसीदास जी कहते है कि जिन्हें राम और सीता प्रिय न हो ऐसे व्यक्तियों को त्याग देना चाहिए।

व्याख्या :– तुलसीदास जी कहते है कि जिन व्यक्तियों को राम और सीता प्रिय न हो वे अपने स्नेही जन ही क्यों न हो, उन्हें छोड़ देना चाहिए। जिस प्रकार विभीषण ने अपने भाई रावण को, प्रहलाद ने अपने पिता को, भरत ने अपनी मां को, बलि ने गुरू को और ब्रज की गोपियों ने अपने–अपने पति का परित्याग कर दिया था और मंगल करने वाले श्रीराम से नाता जोड़ लिया था।

विशेष :– अनुप्रास और दृष्टांत अलंकार है। भाव के अनु रूप भाषा है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

संदर्भः– प्रस्तुत पंक्तियां दुष्यंत कुमार द्वारा रचित 'इस नदी की धार में' शीर्षक से अवतरित है।

प्रसंगः– प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने जर्जर और विडम्बनापूर्ण परिस्थितियों में हिम्मत बनाए रखने की प्रेरणा दी है, अदम्य साहस का परिचय दिया है।

व्याख्याः– नदी की धारा बहुत तेज है। उसमें बहुत ज्यादा प्रवाह है और अधिक तेज है। फिर भी उससे सुखद और आनंददायक ठंडी–ठंडी हवा तो स्पर्श करती रहती है। इस नदी की ऊंची–ऊंची लहरों से जब नाव टक्कर लेती है तो वह तारीफ के काबिल है। कवि कहता है कि अभी एक उम्मीद की किरण बाकी है यदि कहीं से एक चिनगारी मिल जाती है तो इस दिए की बाती जलाकर रोशनी कर सकती है। हमें सोई हुई अवस्था में चली गई शक्ति को जाग्रत करने की आवश्यकता है।

विशेषः–

1. उर्दू शब्दों की प्रधानता।
2. शैली मार्मिक है।
3. वीर रस।
4. विषम परिस्थितियों में उत्साह कायम रखने का आव्हान।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. अनुशासन।

उत्तर 2. सूर्य, चन्द्रमा, तारे आदि सभी प्राकृतिक तत्व सुनियोजित व्यवस्था के अन्तर्गत कार्य करते है। इस प्रकार प्रकृति हमें अनुशासन सिखाती है। अनुशासन बंधन न होकर सामान्य नियम का पालन माना है।

उत्तर 3. प्रकृति हमें अनुशासन सिखाती है।

1+2+1=4 अंक

उत्तर 26. अपठित पद्यांश के उत्तर :–

उत्तर 1. प्राकृतिक सौन्दर्य।

उत्तर 2. सुंदर चन्द्रमा की चंचल किरणे जल और थल में क्रीड़ा कर रही है।

उत्तर 3. स्वच्छ चांदनी अवनि और अम्बर में फैली हुई है।

1+2+1=4 अंक

उत्तर 27. <u>पत्र लेखन</u>

सी–58, आकाश अपार्टमेंट
ए.वी. रोड़ इन्दौर
दिनांक 18.11.2011

प्रिय मित्र,

मनमोहन, सप्रेम नमस्ते।

यहां पर सभी स्वस्थ्य एवं सानंद है आपकी कुशलता की सदैव ईश्वर से प्रार्थना करता रहता हूॅ। इधर काफी समय से आपका कोई समाचार प्राप्त नहीं हुआ। अतः आपकी कुशलता के समाचार ज्ञात नहीं हो सके।

आपको यह सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि मेरे बड़े भाई साहब आदरणीय श्री रविकान्त जी का शुभ विवाह दिनांक 26.12.2011 को होना निश्चित हुआ है। विवाह के इस शुभ अवसर पर आप सपरिवार सादर आमंत्रित है। विवाह में होने वाले सभी मांगलिक कार्यक्रमों की जानकारी के लिये आपको आमंत्रण पत्र (परिणय पत्र) भेज कर जानकारी दी जाएगी।

विवाह समारोह में उपस्थित होने की पूर्व सूचना से कृपया अवगत करावें। आदरणीय चाचा जी एवं चाची जी को सादर प्रणाम तथा छोटे भाई मयंक को स्नेह।

आपका सदैव शुभाकांक्षी

अभिषेक मिश्रा

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

प्रति,

श्रीमान प्रधानाचार्य

शा. गजरा राजा क.मा.वि.

ग्वालियर

विषय :– छात्रावास में अच्छा भोजन ने मिलन विषयक।

महोदय,

निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय के छात्रावास में रहता हूॅ। अब कुछ दिनों से छात्रावास में अच्छा भोजन नहीं मिल रहा है। रोटियां और दालें कच्ची, अधपकी होने के कारण स्वास्थ्य बिगड़ रहा हे। अतः निवेदन है कि भोजन व्यवस्था ठीक कराने की कृपा करें।

धन्यवाद

आपका आज्ञाकारी शिष्य

दिनांक

सृजन

कक्षा 10 अ

संबोधन 1 अंक, विषयवस्तु मध्य 3 अंक, समापन 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

<u>कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता</u>

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारत वर्ष पर नजर दौड़ाकर देखे तो हम पाएंगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेल्वे–स्टेशन, हवाई–अड्डे, डाक खाने बड़े–बड़े उद्योग कारखाने व्यवसाय हिसाब–किताब, रूपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर आज की जरूरत :– प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? क्या इसके बिना काम नहीं चल सकता है? इसका उत्तर है– कम्प्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में 5–10 लोगों से मिलता था तो आज 50–100 लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज राते भी व्यस्त रहती है। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे है, व्यापार बढ़ रहे है, गतिविधियां बढ़ रही है, आकांक्षाएं बढ़ रही है, साधन बढ़ रहे है।

"यहां सतत् संघर्ष विफलता कोलाहल का राज है।

अंधकार में दौड़ लग रही है, मतवाला यह सब समाज है।।''

सुव्यवस्था लाने में सहयोग :– इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है कहते है आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ़ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों अरबों की लंबी–लंबी गणनाएं कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबड़ाकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था। अब कम्प्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

ज्ञान का भंडार :– कंप्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। कार्यालय की सारी गतिविधियां फ्लौपी में बंद हो जाती है इसलिए स्टोरों की जरूरत अब नहीं रही। अब समाचार पत्र भी इंटरनेट के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था हो गई है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। एक समय था जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया है। कंप्यूटर ने तो मानों उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। संभव है कंप्यूटर की सहायता से आप मनचाहे सवाल का जवाब दूरदर्शन या इंटरनेट से ले पाएंगे। शारीरिक रूप से नहीं

काल्पनिक रूप से जिस मौसम का, जिस प्रदेश का आनंद उठाना चाहे उठा सकते है।

उपसंहार :– आज टेलीफोन, रेल, फ्रिज, वाशिंगमशीन आदि उपकरणों के बिना नागरिक जीवन जीना कठिन हो गया है। इन सबके निर्माण या संचालन में कंप्यूटर का योगदान महत्वपूर्ण है। रक्षा उपकरणों, हजारों मील की दूरी पर सटीक निशाना बांधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में कंप्यूटर का अपना महत्व है। आज कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधा, सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है। अतः आज जीवन में कंप्यूटर पूरी तरह से प्रभावशाली बन गया है।

(कुल 7 अंक)

(ब) रूपरेखा–

यदि मैं प्रधानमंत्री होता

1. प्रस्तावना।
2. प्रधानमंत्री बनने की प्रेरणा।
3. प्रधानमंत्री बनने का कारण।
4. प्रधान के कार्यक्षेत्र एवं दायित्व।
5. आदर्श प्रधानमंत्रीं
6. उपसंहार।

(कुल 3 अंक)

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –